REVISED SYLLABUS PRESCRIBED FOR

M.A. HINDI (Semester pattern with CBCS)

Semester Pattern Scheme of Examination for M.A. in HINDI with Choice Based Credit System (To be implemented from the session 2017-18 onwards)

M.A.(HINDI LITRETURE)

सेमेस्टर I

Core Paper

1T1 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)
1T2 भारतीय काव्य" ाास्त्र
1T3 मध्यकालीन काव्य

Electives

1T4(A) हिंदी नाटक एवं रंगमंच

अथवा

1T4(B) हिंदी निबंध साहित्य

अथवा

1T4(C) हिंदी एकांकी

अथवा

1T4(D) हिंदी व्यंग्य साहित्य

अथवा

1T4(E) जीवनी और आत्मकथा

अथवा

1T4(F) संस्मरण, रेखाचित्र और रिपोर्ताज

सेमेस्टर II

Core Paper

2T1 हिंदी साहित्य का इतिहास(आधुनिक काल)
2T2 हिंदी आलोचना : दृश्टि एवं प्रवृत्तियाँ
2T3 आधुनिक काव्य

Electives

2T4(A) कबीरदास

अथवा

2T4(B) जय" ांकर प्रसाद

अथवा

2T4(C) प्रेमचंद

अथवा

2T4(D) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला '

अथवा

2T4(E) अज्ञेय

अथवा

2T4(F) मुक्तिबोध

सेमेस्टर III

Core Paper

3T1 हिंदी भाशा

3T2 पा" चात्य काव्य" ाास्त्र

Electives

3T3(A) प्रयोजनमूलक हिंदी

अथवा

3T3(B) हिंदी का लोकसाहित्य

अथवा

3T3(C) भारतीय साहित्य

अथवा

3T3(D) दलित विम" ा

अथवा

3T3(E) स्त्री विम" ा

अथवा

3T3(F) आदिवासी विम" ा

For Extarnal Students

Foundation I

3T4(A) भाशा और संप्रेशण कौभाल

अथवा

3T4(B) हिंदी काव्यास्वादन

For Departmental Students

3T4(C) हिंदी कहानी

अथवा

3T4(D) हिंदी रचनात्मक लेखन

अथवा

3T4(E) हिंदी मीडिया लेखन

सेमेस्टर IV

Core Paper

4T1 भाशाविज्ञान
4T2 आधुनिक हिंदी कथासाहित्य

Electives

4T3(A) अनुसंधान प्रक्रिया और प्रविधि
अथवा
4T3(B) जनसंचार माध्यम
अथवा
4T3(C) अनुवाद अध्ययन
अथवा
4T3(D) साहित्य और सिनेमा
अथवा
4T3(E) तुलनात्मक अध्ययन
अथवा
4T3(F) स्थानीय साहित्य

For Extarnal Students

4T4(A) हिंदी गज़ल
अथवा
4T4(B) यात्रा साहित्य

For Departmental Students

Foundation II

4T4(C) डायरी और पत्र साहित्य
अथवा

4T4(D) भारतीय चिंतक

अथवा

4T4(E) पर्यावरण अध्ययन

1T1 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

इकाई–1

साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, पुनर्लेखन की आव" यकता एवं समस्याएं , काल विभाजन एवं नामकरण।

इकाई–2

आदिकाल : पृश्ठभूमि , काल निर्धारण, नामकरण , प्रतिनिधि धाराएँ

इकाई–3

भक्तिकाल : पृश्ठभूमि , कालनिर्धारण , नामकरण , भक्ति आंदोलन , प्रतिनिधि धाराएँ

इकाई–4

रीतिकाल : ऐतिहासिक पृश्ठभूमि , कालनिर्धारण , नामकरण , प्रतिनिधिधाराएँ

सहायक ग्रंथ

1) हिंदी साहित्य का इतिहास	–	आचार्य रामचंद्र भाुक्ल
2) हिंदी साहित्य का आदिकाल	–	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3) हिंदी साहित्यः उद्भव और विकास	–	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
4) हिंदी साहित्य की भूमिका	–	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
5) हिंदी साहित्य का वैज्ञनिक इतिहास	–	डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
6) हिंदी साहित्य का इतिहास	–	संपादक डॉ. नगेन्द्र
7) हिंदी साहित्य का इतिहास	–	डॉ. रामकि" ाोर भार्मा
8) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	–	डॉ. रामकुमार वर्मा
9) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास	–	बच्चनसिंह
10) हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास	–	रामस्वरूप चतुर्वेदी

1T2 : भारतीय काव्य"ाास्त्र

इकाई 1

भारतीय काव्य चिंतन की परंपरा
काव्य–लक्षण , हेतु , प्रयोजन , प्रकार।

इकाई2

अलंकार सिद्धांत	:	अवधारणा, वर्गीकरण और भेद
रस सिद्धांत	:	अवधारणा, रसनिश्पत्ति और साधारणीकरण।

इकाई3

रीतिसिद्धांत	:	अवधारणा एवं भेद ।

ध्वनि सिद्धांत : अर्थ, स्वरूप और भेद।

इकाई4

वक्रोक्ति सिद्धांत : अवधारणा और भेद, वक्रोक्तिवाद और अभिव्यंजनावाद में अंतर
औचित्य सिद्धांत : अवधारणा और भेद।

सहायक ग्रंथ

1) रस मीमांसा : आचार्य रामचंद्र भाुक्ल
2) साहित्यालोचन : डॉ. भयामसुंदरदास
3) भारतीय काव्य" ाास्त्र की परंपरा : डॉ. नगेन्द्र
4) काव्यतत्व विम" र्ा : राममूर्ति त्रिपाठी
5) काव्य" ाास्त्र के नये क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी
6) हिंदी आलोचना के बीज भाब्द : बच्चनसिंह
7) भारतीय काव्य" ाास्त्र : योगेन्द्र प्रतापसिंह
8) भारतीय एवं पा" चात्य काव्य" ाास्त्र : गणपतिचंद्र गुप्त
9) भारतीय काव्य" ाास्त्र : प्रो. हरिमोहन

1T3 : मध्यकालीन काव्य

इकाई1

कबीर

इकाई2

जायसी
सूरदास

इकाई3

तुलसीदास

इकाई4

घनानंद
बिहारी

आधार ग्रंथ

प्राचीन काव्य – प्रो. श्रीराम भार्मा, वाणी प्रका" ान, दिल्ली

सहायक ग्रंथ

1) हिंदी काव्यधारा – राहुल सांकृत्यायन
2) हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका – राममूर्ति त्रिपाठी
3) तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानुसिंह
4) भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा – उदयभानु चतुर्वेदी
5) सूर साहित्य – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
6) कबीर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
7) लोकवादी तुलसीदास – आचार्य वि" वनाथ त्रिपाठी
8) घनानंद – डॉ. कृश्णलाल भार्मा
9) मुक्तकाव्य परंपरा और बिहारी – रामसागर त्रिपाठी
10) कबीर का रहस्यवाद – डॉ. रामकुमार वर्मा
11) तुलसी आधुनिक वातायन से – रमे" ा कुंतल मेघ

12) जायसी एक नई दृश्टि – रघुवं" ा
13) जायसी का पद्मावत – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
14) तुलसी – राममूर्ति त्रिपाठी
15) निराला – वि" वनाथ त्रिपाठी
16) घनानंद का काव्य – रामदेव भाुक्ल

1T4(A) हिंदी नाटक एवं रंगमंच

नाटक और रंगमंच

इकाई 1

नाटक और रंगमंच : स्वरूप एवं संरचना
नाटक की भारतीय परंपरा
हिंदी नाटक एवं रंगमंच का विकास

इकाई2

चंद्रगुप्त – जय" ांकर प्रसाद

इकाई3

आधे-अधूरे – मोहन राके" ा

इकाई4

कबिरा खड़ा बाजार में – भीश्म साहनी

सहायक ग्रंथ

1) नाटक और रंगमंच की भूमिका – लक्ष्मीनारायणलाल
2) हिंदी नाटक – बच्चनसिंह
3) हिंदी नाटक उद्भव और विकास – डॉ. द" ारथ ओझा
4) आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – नेमीचंद्र जैन
5) आज के रंग नाटक – सं. सुरे" ा अवस्थी
6) नई रंग चेतना और हिंदी नाटककार – जयदेव तनेजा
7) आधे–अधूरे – मोहन राके" ा
8) हिंदी नाट्य सिद्धांत एवं विवेचन – डॉ. गिरी" ा रस्तोगी
9) आज के हिंदी नाटक – जयदेव तनेजा
10) नाटक और रंगमंच – सं. गिरी" ा रस्तोगी
11) रंग द" ान – नेमिचंद जैन
12) चंद्रगुप्त – जय" ांकर प्रसाद
13) कबिरा खड़ा बाजार में – भीश्म साहनी

1T4(B) हिंदी निबंध साहित्य

इकाई–1

हिंदी निबंध : परिभाशा , स्वरूप एवं प्रकार।
हिंदी निबंध : तत्व एवं भौलियाँ।
हिंदी निबंध : उद्भव और विकास।

इकाई–2

मेरा विद्यार्थी काल : महात्मा गाँधी
युवकों का समाज में स्थान : आचार्य नरेन्द्र देव

राश्ट्र का स्वरूप : वासुदेव" ारण अग्रवाल

इकाई–3

f" ाक्षा का उद्दे" य : संपूर्णानंद
नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारीप्रसाद द्विवेदी
जीने की कला : महादेवी वर्मा

इकाई–4

गप" ाप : नामवर सिंह
'परमाणु युग का अभि" ााप
रेडियोधर्मी प्रदूशण' : डॉ. उमाकांत सिन्हा
हमारे जीवन में वनों का महत्व : कन्हैयालाल माणिकलाल मुं" ाी

आधार ग्रंथ

1. अभिनव निबंध भारती – डॉ. सच्चिदानंद परलीकर, लोकभारती प्रका" ान, इलाहाबाद

सहायक ग्रंथ

1) हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
2) हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र भाुक्ल
3) हिंदी गद्य मीमांसा – रमाकांत त्रिपाठी
4) साहित्य की गद्य विधाएँ – प्रो. हरिमोहन
5) हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

1T4(C) हिंदी एकांकी

इकाई 1

हिंदी एकांकी : स्वरूप, परिभाशा, भेद और विकास–यात्रा।
हिंदी एकांकी : तत्व एवं वि" ोशताएँ।
हिंदी एकांकी और नाटक का अंन्तर्संबंध ।

इकाई 2

स्ट्राइक – भुवने" वर
भोर का तारा – जगदी" ाचंद्र माथुर

इकाई 3

नए मेहमान – उदय" ांकर भट्ट
सूखी डाली – उपेन्द्रनाथ अ" क

इकाई 4

सीमा रेखा – विश्णु प्रभाकर
औरंगजेब की आखिरी रात – रामकुमार वर्मा

आधार ग्रंथ

1) एकांकी सप्तक – चंपा श्रीवास्तव, राजेन्द्र कुमार , लोकभारती प्रका" ान, इलाहाबाद

सहायक ग्रंथ

1) हिंदी एकांकी और एकांकीकार – डॉ. रामचरण महेन्द्र
2) हिंदी नाटक सिद्धांत एवं विवेचन – डॉ. गिरी" ा रस्तोगी
3) हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी

4) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
5) हिंदी एकांकी f" ाल्प विधि का विकास – डॉ. सिद्धनाथ कुमार
6) आधुनिक भारतीय रंग परिदृ" य – डॉ. जयदेव तनेजा
7) संपूर्ण रंगनाट्य – डॉ. गोविंद चातक
8) हिंदी एकांकी – डॉ. सत्येन्द्र

1T4(D) हिंदी व्यंग्य साहित्य

इकाई 1

व्यंग्य : अर्थ, स्वरूप एवं तत्व
हिंदी व्यंग्य का उद्‌भव और विकास

इकाई 2

लंका विजय के बाद, इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर – हरि" ांकर परसाई

हम भ्रश्टन के भ्रश्ट हमारे , तिलिस्म – भारद जो" ाी

इकाई 3

पुनर्जन्म : एक संभावना, जेम्स बांड इलाहाबाद में – रवीन्द्रनाथ त्यागी
ऊँचा कोट, अंगूर खट्टे नहीं हैं – भांकर पुणतांबेकर

इकाई 4

मैं और बकरी , कैफियत – ज्ञान चतुर्वेदी
निर्दन्त दीमक की कथा, बृहन्नला का वक्तव्य – के" ावचंद्र वर्मा

सहायक ग्रंथ

1) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह
2) हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
3) हिंदी की गद्य विधाएँ – रामचंद्र तिवारी
4) आधुनिक हिंदी कथा–साहित्य में व्यंग्य का स्वरूप एवं विकास – डॉ. वीणा दाढे

1T4(E) जीवनी और आत्मकथा

इकाई 1

जीवनी साहित्य : उद्‌भव और विकास।
जीवनी साहित्य के मूल तत्व एवं वि" ोशताएँ।
प्रमुख जीवनीकार एवं रचनाएँ

इकाई 2

आत्मकथा लेखन की परम्परा।

आत्मकथा साहित्य के मूल तत्व एवं वि" ोशताएँ।
प्रमुख आत्मकथाकार एवं रचनाएँ

इकाई 3

जीवनी

आवारा मसीहा – विश्णु प्रभाकर

इकाई 4

आत्मकथा

क्या भूलँ क्या याद करूँ (भाग–1) – हरिव" ाराय बच्चन

सहायक ग्रंथ

1) आवारा मसीहा – विश्णु प्रभाकर
2) क्या भूलूँ क्या याद करूँ – हरिव" ाराय बच्चन
3) हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
4) हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
5) हिंदी की गद्य विधाएँ – रामचंद्र तिवारी
6) विश्णु प्रभाकर – डॉ. वि" वासनाथ मिश्र
7) आवारा मसीहा जीवनी के निकश पर – माया मलिक
8) हिंदी आत्मकथाएँ सिद्धांत , स्वरूप एवं वि" लेशण – डॉ. विनिता अग्रवाल

1T4(F) संस्मरण, रेखाचित्र और रिपोर्ताज

इकाई 1

1. संस्मरण : अर्थ, परिभाशा और स्वरूप
2. संस्मरण : उद्‌भव और विकास
3. रेखाचित्र : अर्थ, परिभाशा और स्वरूप
4. रेखाचित्र : उद्‌भव और विकास
5. रिपोर्ताज : अर्थ, परिभाशा और स्वरूप
6. रिपोर्ताज : उद्‌भव और विकास

इकाई 2

संस्मरण

अमृतलाल नागर : प्रसाद जैसा मैंने पाया

अमृत राय : महादेवी : स्मृति की रेखाएं

इकाई 3

रेखाचित्र

महादेवी वर्मा : घीसा

बेढब बनारसी : बैलगाड़ी

इकाई 4

रिपोर्ताज

विश्णु प्रभाकर : जहां आका" ा नहीं दिखाई देता

राहुल सांकृत्यायन : अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

संदर्भ ग्रंथ

1. स्मृति बिंब : डॉ. चन्द्रे" वर कर्ण, लोकभारती प्रका" ान
2. गद्य विविधा : डॉ. राके" ा गुप्त, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
3. हिंदी गद्य संकलन : मधुलिका राय, एस.चन्द एन्ड कंपनी लि. रामनगर, नई दिल्ली
4. हिंदी गद्य विधाएं : हरिमोहन
5. हिंदी गद्य साहित्य : रामचंद्र भाुक्ल
6. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

स्मेस्टर II

2T1 : हिंदी साहित्य का इतिहास(आधुनिक काल)

इकाई1

आधुनिक काल की पृश्ठभूमि एवं वि" ोशताएँ।
हिंदी गद्य का आविर्भाव एवं हिंदी नवजागरण।

इकाई 2

भारतेंदु युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यकार
द्विवेदी युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यकार
छायावादी युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यकार

इकाई3

प्रगतिवाद , प्रयोगवाद , नई कविता , नवगीत ,
अकविता , समकालीन कविता
प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकार

इकाई4

उपन्यास , कहानी , नाटक , एकांकी , निबंध ,
संस्मरण , रेखाचित्र , जीवनी , आत्मकथा ,
यात्रावृत्तांत, रिपोर्ताज–परिचय एवं विकास ,
हिंदी आलोचना का उद्भव एवं विकास।

सहायक ग्रंथ

1) हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र भाुक्ल

2) हिंदी साहित्य , उद्‌भव और विकास – डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
4) हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
5) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह
6) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह
7) नये साहित्य का सौंदर्य" ाास्त्र – डॉ. गजानन माधव मुक्तिबोध
8) हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामकि" ाोर भार्मा
9) हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
10) प्रगति" ाील साहित्य – डॉ. रामे" वर भार्मा

2T2 : हिंदी आलोचना : दृश्टि एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई 1

हिंदी आलोचना : परिचय और पृश्ठभूमि
हिंदी आलोचना की विकास यात्रा

इकाई2

हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : भााास्त्रीय, तुलनात्मक, सौंदर्य" ाास्त्रीय, मार्क्सवादी, भौलीवैज्ञानिक, समाज" ाास्त्रीय, नई समीक्षा, नये विम" र्ा–दलित, स्त्री एवं आदिवासी।

इकाई3

प्रमुख आलोचक : आ. रामचंद्र भाुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी , रामविलास भार्मा, नामवर सिंह।

इकाई4

रचनाकार–आलोचक : विजयदेवनारायण साही,मुक्तिबोध , अ" ाोक वाजपेयी, रमे" ाचंद्र भााह।

सहायक ग्रंथ

1) समीक्षा भाास्त्र के सिद्धान्त – डॉ. भयामसुंदरदास
2) हिंदी साहित्य : बींसवी सदी – नंददुलारे वाजपेयी
3) रामचंद्र भाुक्ल और हिंदी आलोचना – डॉ. रामविलास भार्मा
4)इतिहास और आलोचना – नामवर सिंह
5) कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह
6) वाद–विवाद–संवाद – नामवर सिंह
7) छायावाद – नामवर सिंह
8) आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज भाब्द – बच्चनसिंह
9) हिंदी आलोचना : बीसवी सदी – निर्मला जैन
10) हिंदी आलोचना – वि" वनाथ त्रिपाठी
11) आलोचना और आलोचना – डॉ. बच्चनसिंह
12) आचार्य रामचंद्र भाुक्ल और हिंदी आलोचना परंपरा – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
13) साहित्य के समाज" ाास्त्र की भूमिका – डॉ. मैनेजर पाण्डेय

14) उत्तर आधुनिक दौर में साहित्य – सुधीर पचौरी
15) नई कविता का आत्मसंघर्श एवं अन्य निबंध – मुक्तिबोध
16) मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन – ि" ावकुमार मिश्र
17) आलोचना और आलोचना – देवी" ांकर अवस्थी
18) आलोचना की समकालीनता – परमानंद श्रीवास्तव
19) प्रगति" ाील साहित्य – डॉ. रामे" वर भार्मा
20) ि" ाखरों से साक्षात्कार – डॉ रामचंद्र तिवारी
21) आलोचकों की आलोचना – डॉ. मनोज पाण्डेय
22) हिंदी आलोचना : दृश्टि और प्रवृत्तियाँ – डॉ. मनोज पाण्डेय
23) हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ – खंडेलवाल, गुप्त

2T3 : आधुनिक काव्य

इकाई 1

जय" ांकर प्रसाद – कामायनी (श्रद्धा सर्ग)

इकाई2

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – राम की भाक्तिपूजा , कुकुरमुत्ता

इकाई3

अज्ञेय – असाध्यवीणा
मुक्तिबोध – अंधेरे में

इकाई4

नागार्जुन – प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद
रघुवीर सहाय – आत्महत्या के विरूद्ध
धूमिल – मोचीराम
राजे" ा जो" ाी – बच्चे काम पर जा रहे हैं

सहायक ग्रंथ

1) कामायनी – जय" ांकर प्रसाद
2) राग–विराग – संपादक रामविलास " ार्मा
3) चाँद का मुँह टेढ़ा है – मुक्तिबोध
4) अज्ञेय – प्रतिनिधि संकलन
5) नागार्जुन – नागार्जुन रचनावली , संपादक–" ोभाकांत–भाग 1
6) कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. नगेन्द्र
7) कामायनी एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
8) कामायनी पुनर्मूल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी
9) अलक्षित निराला – डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित
10) निराला : एक आत्महन्ता आस्था – दूधनाथसिंह
11) निराला और मुक्तिबोध – नंदकि" ाोर नवल
12) छायावाद और निराला – डॉ. वीणा दाढ़े
13) अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी
14) मुक्तिबोध प्रतीक और बिंब – चंचल चौहान
15) नागार्जुन – सुरे" ाचंद्र त्यागी
16) कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह
17) संसद से सड़क तक – धूमिल
18) रघुवीय सहाय – आत्महत्या के विरूद्ध
19) प्रसाद, निराला, अज्ञेय – रामस्वरूप चतुर्वेदी

20) आधनिक कवि – वि" वंभर मानव/रामकि" ोर भार्मा
21) जनकवि नागार्जुन और प्रयागवादी कवि अज्ञेय– डॉ. वीणा दाढे
22) समकालीन कविता का समीकरण – डॉ. प्रमोद भार्मा

2T4 (A) कबीरदास

इकाई1

रचना–दृश्टि और रचना–संसार

इकाई 2

गुरू संबंधी पद – 03, 19, 22, 56, 65, 75, 130, 189, 197, 232 = 10

इकाई 3

नाम स्मरण संबंधी पद – 1, 7, 8, 24, 25, 28, 29, 34, 45, 53 = 10

इकाई 4

उपदेस संबंधी पद – 39, 42, 44, 48, 49, 58, 59, 62, 67, 79 = 10

आधार ग्रंथ

कबीर ग्रंथावली– हजारीप्रसाद द्विवेदी

सहायक ग्रंथ

1) कबीर ग्रंथावली : संपा. डॉ. भयामसुंदर दास
2) कबीर : प्रो. वासुदेव सिंह
3) कबीर साहित्य की परख : पर" ुराम चतुर्वेदी
4) कबीर : विजयेन्द्र स्नातक
5) कबीर का रहस्यवाद : रामकुमार वर्मा
6) कबीर साधना और साहित्य : प्रतापसिंह चौहान
7) कबीर की विचारधारा : गोविन्द त्रिगुणायत
8) कबीर मीमांसा : रामचंद्र तिवारी
9) कबीर : एक नई दृश्टि : रघुवं" ा
10) कबीर काव्य का भाशा भाास्त्रीय अध्ययन : भगवत प्रसाद दुबे
11) कबीर : नई सदी में : डॉ. धर्मवीर
12) हिंदी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : पितांबरदत्त बडथ्वाल
13) कबीर बीजक : भ्ाुकदेव सिंह

2T4(B) जय"ंकर प्रसाद

इकाई1

रचना–दृश्टि और रचना–संसार

इकाई2

कहानी– पुरस्कार, मधुआ, आका" ादीप

इकाई3

नाटक– स्कंदगुप्त

इकाई4

निबंध– काव्य कला एवं अन्य निबंध

सहायक ग्रंथ

1) जय" ांकर प्रसाद	:	रत्न" ांकर प्रसाद
2) जय" ांकर प्रसाद	:	आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
3) प्रसाद के नाटक	:	परमे" वरीलाल
4) प्रसाद का नाट्य साहित्य	:	भानुदेव
5) प्रसाद के नाटकों का भाास्त्रीय अध्ययन	:	जगन्नाथप्रसाद भार्मा
6) स्कंदगुप्त	:	जय" ांकर प्रसाद
7) नाटककार जय" ांकर प्रसाद	:	संपा. सत्येन तनेजा
8) प्रसाद की नाट्य भाशा	:	संजय त्रिवेदी
9) प्रसाद का काव्य	:	डॉ. प्रेम" ांकर
10) प्रसाद की कविताएँ	:	पं. सुधाकर पांडेय
11)कवि प्रसाद की काव्य साधना	:	रामनाथ सुमन
12) हिंदी नाटक : सिद्धांत और विवेचना	:	गिरी" ा रस्तोगी
13) छायावाद युग	:	डॉ. भांभुनाथ सिंह
14) काव्यकला और अन्य निबंध	:	जय" ांकर प्रसाद

2T4(C) प्रेमचंद

इकाई1

रचना–दृश्टि और रचना–संसार

इकाई2

उपन्यास : गबन

इकाई3

कहानी : कफन, पूस की रात, ठाकुर का कुंआ

इकाई4

निबंध : साहित्य का उद्दे" य

सहायक ग्रंथ

1) प्रेमचंद आज के संदर्भ में	:	गंगाप्रसाद विमल
2) प्रेमचंद और उनका युग	:	रामविलास भार्मा
3) प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा	:	भौले" ा जैदी
4) प्रेमचंद : एक अध्ययन	:	राजे" वर गुरू
5) प्रेमचंद : अध्ययन की नई दि" ाएँ	:	कमलकि" ाोर गोयनका
6) प्रेमचंद के उपन्यासों का f" ाल्प विधान	:	कमलकि" ाोर गोयनका
7) प्रेमचंद –जीवन और कृतित्व	:	हंसराज रहबर
8) प्रेमचंद की विरासत	:	राजेन्द्र यादव
9) प्रेमचंद : विरासत का सवाल	:	f" ावकुमार मिश्र
10)प्रेमचंद के आयाम	:	ए. अरविंदाक्षन
11)गोदान नया परिप्रेक्ष्य	:	गोपाल राय
12)उपन्यासकार प्रेमचंद	:	सं. सुरे" ाचन्द्र गुप्त , रमे" ाचन्द्र गुप्त
13) गबन	:	प्रेमचंद
14) प्रतिनिधि कहानियाँ	:	प्रेमचंद
15)समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचंद	:	महेंद्र भटनागर
16)आद्य बिंब और गोदान	:	कृश्ण मुरारी मिश्र
17) प्रेमचंद	:	सत्येन्द्र

2T4**(D) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला '**

इकाई1

रचना–दृश्टि और रचना–संसार

इकाई2

कविता : वह तोड़ती पत्थर, सरोज स्मृति

इकाई3

उपन्यास : बिल्लेसुर बकरिहा

इकाई4

निबंध : परिमल की भूमिका, मेरे गीत और कला, पंतजी और पल्लव

सहायक ग्रंथ

1) निराला की साहित्य साधना (तीन खंड)	:	रामविलास भार्मा
2) निराला : आत्महन्ता आस्था	:	दूधनाथ सिंह

3) निराला की कविताएँ और काव्य भाशा	:	रेखा खरे
4) निराला : मूल्यांकन और मूल्यांकन	:	सं. परमानंद श्रीवास्तव
5) निराला के काव्य में मानवीय चेतना	:	डॉ. रमे" ादत्त मिश्र
6) निराला के काव्य का राजनीतिक संदर्भ	:	सन्ध्या सिंह
7) क्रांतिकारी कवि निराला	:	बच्चन सिंह
8) छंद–छंद पर कुंकुम : निराला की राम की भाक्ति पूजा – टीका	:	वागी" ा भाुक्ल
9) अलक्षित निराला	:	सूर्यप्रसाद दीक्षित
10) छायावाद का पुनर्मूल्यांकन	:	रामदर" ा मिश्र
11) बिल्लेसुर बकरिहा	:	निराला
12) निराला संचयिता	:	रमे" ाचंद्र भााह
13) कवि निराला	:	नंददुलारे बाजपेयी

2T4(E) अज्ञेय

इकाई 1

रचना–दृश्टि और रचना–संसार

इकाई 2

कविता : सोनमछली, हिरोि" ामा, नदी के द्वीप

इकाई 3

उपन्यास : भोखर एक जीवनी–भाग 1

इकाई 4

निबंध : कला का स्वभाव और उद्दे" य, रूढ़ि और मौलिकता, संक्रांतिकाल की कुछ साहित्यिक समस्याएँ

संदर्भएवं आधार ग्रंथ

1.	त्रि" ांकु	–	अज्ञेय
2.	भोखर एक जीवनी	–	अज्ञेय
3.	तारसप्तक	–	अज्ञेय
4.	समकालीन काव्ययात्रा	–	नंदकि" ाोर नवल

5. आलोचना के सौ वर्श – सं. अरविंद त्रिपाठी
6. अपने अपने अज्ञेय – सं. ओम थानवी
7. प्रसाद, निराला, अज्ञेय – रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. आज के लोकप्रिय हिंदी कवि अज्ञेय – विद्यानिवास मिश्र

2T4(F) मुक्तिबोध

इकाई 1

रचना दृश्टि और रचना संसार

इकाई 2

कविता : ब्रह्मराक्षस, पूँजीवादी समाज के प्रति, भूल–गलती

इकाई 3

कहानी : पक्षी और दीमक, नयी जिंदगी, बह्मराक्षस का ि" ाश्य

इकाई 4

आलोचना : एक साहित्यिक की डायरी

आधार ग्रंथ –

1. एक साहित्यिक की डायरी –मुक्तिबोध
2. तारसप्तक –अज्ञेय
3. काठ का सपना –मुक्तिबोध
4. प्रतिनिधि कविताएँ –मुक्तिबोध
5. मुक्तिबोध
6. मुक्तिबोध रचनावली – (1 – 6) –सं. नेमीचंद्र जैन

संदर्भ ग्रंथ

1. एक साहित्यिक की डायरी – मुक्तिबोध
2. तारसप्तक – अज्ञेय
3. समकालीन काव्ययात्रा – नंदकि" ाोर नवल
4. आलोचना के सौ वर्श – सं. अरविंद त्रिपाठी
5. निराला और मुक्तितबोध – नंदकि" ाोर नवल
6. मुक्तिबोध : छवि–कवि – नंदकि" ाोर नवल
7. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना– नंदकि" ाोर नवल

सेमेस्टर III

3T1 हिंदी भाषा

इकाई1

हिंदी की ऐतिहासिक पृश्ठभूमि	:	प्राचीन , मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय आर्यभाशाएँ – परिचय और वर्गीकरण।

इकाई2

हिंदी की उपभाशाएँ और बोलियाँ	:	पर्ि" चमी हिंदी , पूर्वी हिंदी , राजस्थानी , बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ ।

इकाई3

हिंदी व्याकरण	:	भाब्द रचना	–	उपसर्ग , प्रत्यय और समास।
		रूप रचना	–	लिंग , वचन और कारक।
		वाक्य रचना	–	पदक्रम और अन्विति।

इकाई4

हिंदी के विविध रूप	:	मातृभाशा , राजभाशा , सम्पर्क भाशा , संचारभाशा , राश्ट्रभाशा।
देवनागरी लिपि	:	वि" ोशताएँ एवं मानकीकरण

सहायक ग्रंथ

1) हिंदी भाशा : उद्भव और विकास	–	डॉ. हरदेव बाहरी
2) हिंदी और भारतीय भाशाएँ	–	डॉ. भोलानाथ तिवारी
3) हिंदी और उसकी उपभाशाएँ का स्वरूप	–	अम्बाप्रसाद सुमन
4) हिंदी की उपभाशाएँ और ध्वनियाँ	–	रामचंद्र मिश्र
5) हिंदी भाशा का उद्भव और विकास	–	डॉ. उदयनारायण तिवारी
6) हिंदी भाशा का विकास	–	डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
7) नागरी लिपि	–	गौरी" ांकर हीराचंद ओझा
8) राजभाशा हिंदी	–	कैला" ाचंद्र भाटिया
9) हिंदी भाशा का इतिहास	–	डॉ. भोलानाथ तिवारी
10) आधुनिक भाशा विज्ञान	–	डॉ. राजमणि भार्मा
11) हिंदी के विकास में अपभ्रं" ा का योग	–	नामवर सिंह
12) हिंदी भाशा	–	भयामसुंदर दास

3T2 पा"चात्य काव्य"ाास्त्र

इकाई 1

प्लेटो : काव्य सिद्धांत
अरस्तु : अनुकरण और विरेचन सिद्धांत

इकाई 2

लौंजाइनस : उदात्त की अवधारणा, उदात्त के तत्व
क्रोचे : अभिव्यंजनावाद
कॉलरिज : फैंटेसी की अवधारणा

इकाई 3

टी.एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
आई.ए.रिचर्डस : सम्प्रेशण सिद्धांत
विलियम वर्डसवर्थ : काव्य भाषा सिद्धांत

इकाई 4

पर्" चमी चिंतन के प्रमुख वाद

स्वच्छंदतावाद, आधुनिकतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, संरचनावाद, नई समीक्षा, उत्तर आधुनिकतावाद

सहायक ग्रंथ

1) भारतीय एवं पा" चात्य काव्य" ाास्त्र : योगेंद्र प्रताप सिंह
2) पा" चात्य काव्य" ाास्त्र : डॉ. विजयपाल सिंह
3) साहित्य के समाज" ाास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय
4) पा" चात्य काव्य" ाास्त्र : निर्मला जैन
5) पर्" चमी साहित्य चिंतन की परंपरा : निर्मला जैन
6) पा" चात्य काव्य" ाास्त्र : तारकनाथ बाली
7) भारतीय एवं पा" चात्य काव्य" ाास्त्र : गणपतिचंद्र गुप्त

3T3**(A)** प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई1

प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाशा , स्वरूप एवं प्रयुक्तियाँ।
राजभाशा हिंदी : संवैधानिक प्रावधान।
कार्यालयीन हिंदी : टिप्पण , प्रारूपण , संक्षेपण , पत्र लेखन।

इकाई2

पारिभाशिक भाब्दावली : स्वरूप एवं सिद्धांत

प्रिंट मीडिया : समाचार लेखन, सम्पादन , सम्पादकीय लेखन , पृश्ठसज्जा।

इकाई3

इलेक्ट्रानिक मीडिया

श्रव्य माध्यम : स्वरूप एवं महत्व , रेडियो समाचार लेखन , फीचर , उद्घोशणा ।

दृ" य–श्रव्य माध्यम : स्वरूप एवं महत्व , पटकथा लेखन , पा" र्व वाचन , डाक्यू ड्रामा।

सूचना प्रौद्योगिकी : कंप्यूटर और इंटरनेट

इकाई4

अनुवाद : अर्थ, परिभाशा, प्रकार

अनुवाद–पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन

सहायक ग्रंथ

1) प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धान्त एवं प्रयोग : दंगल झाल्टे
2) प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना एवं प्रयोग : डॉ. माधव सोनटक्के
3) प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. विनोद गोदरे
4) कामकाजी हिंदी : डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित
5) प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध आयाम : डॉ. मनोज पाण्डेय
6) हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक
7) समाचार संकलन एवं लेखन : नंदकि" ाोर त्रिखा
8) साक्षात्कार सिद्धान्त और व्यवहार : राम" ारण जो" ाी
9) व्यवहारिक हिंदी : डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय
10) प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी : कैला" ाचंद्र भाटिया
11) कम्प्यूटर एवं हिंदी : डॉ. हरिमोहन
12) प्रयोजनमूलक भाशा और कार्यालयीन हिंदी : कृश्णकुमार गोस्वामी
13) उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक : हर्शदेव
14) कार्यालयीन हिंदी : डॉ. मनोज पाण्डेय

3T3**(B)** हिंदी का लोकसाहित्य

इकाई 1

लोकसाहित्य : परिभाशा , क्षेत्र और रूप।

लोकसाहित्य के तत्व।

इकाई2

लोकसाहित्य के विविध सम्प्रदाय।

हिंदी लोकसाहित्य संकलन की परंपरा और प्रासंगिकता

इकाई3

लोकगीत–परंपरा और विकास

लोकवार्ता एवं लोकसाहित्य का संबंध।

इकाई4

लोककथा , लोकनाट्य : परंपरा और प्रासंगिकता
लोकोक्ति साहित्य।

सहायक ग्रंथ

1) लोकसाहित्य विज्ञान	:	डॉ. सत्येन्द्र
2) भारतीय लोकसाहित्य	:	भयाम परमार
3) ग्राम साहित्य	:	रामनरे” ा त्रिपाठी
4) मालवी लोकगीत	:	भयाम परमार
5) हिंदी साहित्य पर लोकसाहित्य का प्रभाव	:	देवेंद्र सत्यार्थी
6) हमारी लोककथाएँ	:	ि” ावसहाय चतुर्वेदी
7) भारतीय लोकसाहित्य	:	भयाम परमार
8) लोकसाहित्य और संस्कृति	:	दिने” वर प्रसाद
9) भारतीय लोकसाहित्य (नौ भागों मे)	:	सुरे” ा गौतम , वीना गौतम
10) लोक साहित्य : अर्थ और व्याप्ति	:	सुरे” ा गौतम

3T3(C) भारतीय साहित्य

इकाई 1

भारतीय साहित्य की अवधारणा
भारतीय साहित्य : औचित्य और महत्व

इकाई 2

काव्य : **रवीन्द्रनाथ टैगार**
मेरे मन है
दो पंछी
प्र” न
सुब्रहमण्यम भारती
रे विदे” ायों! भेद ये हमसे
सब भात्रुभाव मिट जाएँगे
उमा”ांकर जो”ी
आत्मसंतोश
वि” व” ाांति
रमाकांत रथ
श्री राधा (सं. 4, 13)

इकाई 3

कहानी

सआदतहसन मण्टो	:	टोबोटेक सिंह
कर्तारसिंह दुग्गल	:	चांदनी रात का दुखांत

इकाई 4

नाटक

गिरी" ा कर्नाड	:	हयवदन

सहायक ग्रंथ

1. हयवदन – गिरी" ा कर्नाड
2. तुलनात्मक साहित्य – इंद्रनाथ चौधुरी
3. तुलनात्मक साहित्य – महावीर सिंह चौहान
4. भारतीय साहित्य – रामछबीला त्रिपाठी

3T3(D) दलित विम"र्ा

इकाई 1

दलित विम" र्ा : अवधारणा एवं स्वरूप
दलित साहित्य : परंपरा और विकास
दलित साहित्य के प्रेरणा स्रोत और प्रभाव
दलित आंदोलन और दलित साहित्य

इकाई 2

दलित आत्मकथा

जूठन	–	ओमप्रका" ा वाल्मीकि

इकाई 3

उपन्यास

मुक्तिपर्व	–	मोहनदास नैमि" ाराय

इकाई 4

दलित कहानी

सलाम	–	ओमप्रका" ा वाल्मीकि
एक अखबार की मौत	–	मोहनदास नैमि" ाराय
परिवर्तन की बात	–	सूरजपाल चौहान

सहायक ग्रंथ

1) भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य – संपादक पुन्नीसिंह कमलाप्रसाद

2) भारतीय साहित्य में दलित एवं स्त्री – चमनलाल

3) चिन्तन की परंपरा और दलित साहित्य – भयौराजसिंह बेचैन

4) दलित साहित्य का सौंदर्य" ाास्त्र – ओमप्रका" ा वाल्मीकि

5) दलित साहित्य की भूमिका – कंवलभारती

6) दलित साहित्य का सौंदर्य" ाास्त्र – भारणकुमार लिंबाले

7) हिंदी दलित कथासाहित्य – रजतरानी मीनू

8) हिंदी दलित साहित्य का इतिहास – मोहनदास नैमि" ाराय

3T3(E) स्त्री विम"र्ा

इकाई 1

नारी आन्दोलन : स्वरूप एवं विकास।
स्त्री विम" र्ा : अवधारणा और स्वरूप।
स्त्री विम" र्ा : परंपरा और विकास।

इकाई 2

उपन्यास

प्रभा खेतान – छिन्नमस्ता

इकाई 3

कहानी

मैत्रेयी पुश्पा – फैसला
मृणाल पाण्डेय – कर्क" ाा
मेहरून्निसा परवेज – जुगनू

इकाई 4

आत्मकथा – चंद्रकिरण सौनरेक्सा – पिंजरे की मैना

सहायक ग्रंथ

- स्त्री अस्मिता के सवाल – डॉ. प्रभा दीक्षित
- किरदार जिन्दा है – रेखा कस्तवार
- नागपा" ा में स्त्री – गीता श्री
- स्त्री उपेक्षिता – अनु. प्रभा खेतान
- अन्या से अनन्या – प्रभा खेतान
- हिंदी नारी : कार्य" ाीलता के बदलते आयाम – डॉ. प्रभावती जडिया
- महिला भाोशण और मानवाधिकार – सुधारानी श्रीवास्तव
- महिला उत्पीड़न – डॉ. रचना जौहरी
- प्रभा खेतान के साहित्य में नारी विम" र्ा – डॉ. कामिनी तिवारी
- साहित्य प्रवाह और स्त्री विम" र्ा – डॉ. रिचा भार्मा
- उपनिवे" ा में स्त्री – प्रभा खेतान
- औरत अस्तित्व और अस्मिता – अरविंद जैन
- स्त्रीत्ववादी विम" र्ा समाज और साहित्य – क्षमा भार्मा

- स्त्री विम" र्श एक स" ाक्त पहचान की तला" ा में – डॉ. राजकुमारसिंह
- स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प – रोहिणी अग्रवाल
- परिधि पर स्त्री – मृणाल पाण्डे

3T3(F) आदिवासी विम"र्श

इकाई 1

आदिवासी विम" र्श : अवधारणा , स्वरूप एवं विकास।
आदिवासी विम" र्श : चिन्तन की परंपरा।
आदिवासी और दलित विम" र्श : साम्य–वैशम्य

इकाई 2

कहानी

1. रोजकेरकेट्टा – भँवर
2. रामधनलाल मीणा – अप्रत्यार्ि" ात
3. डॉ. मंजु ज्योत्सना – प्रार्याि" चत

इकाई 3

उपन्यास

1. महा" वेता देवी – जंगल के दावेदार

इकाई 4

कविता

1. हरिराम मीणा – 1. सभ्यता का विस्तार : एक हादसा
   2. कैसे करोगे साबित
2. रामदयाल मुंडा – 1. वापसी
   2. परिवर्तन

3.निर्मला पुतुल – उतनी दूर मत ब्याहन बाबा

सहायक ग्रंथ

- आदिवासी स्वर एवं नयी भाताब्दी : संपादक : रमणिका गुप्ता
- आदिवासी साहित्य यात्रा : संपादक : रमणिका गुप्ता
- आदिवासी कौन : संपादक : रमणिका गुप्ता
- आदिवासी लोक अस्मिता खण्ड–1 : संपादक : रमणिका गुप्ता
- आदिवासी लोक : लोकसंस्कृति खण्ड–2 : संपादक : रमणिका गुप्ता
- जनजातीय मिथक : माडिया : डॉ. वेरियर एलविन. अनुवादक निरंजन महावर
- आदिवासियों की कहानियाँ : कैप्टन जे. फोरसिय , अनुवादक दिने" ा मालवीय
- गोंडवाना की लोककथाएँ : डॉ. विजय चौरसिया
- आदिवासी स्वर : सामाजिक आर्थिक जीवन : संपादक कुमार चौहान , श्रीमती रेनू चौहान
- आदिवासी – स्वर : संस्कार व प्रथाएँ : संपादक हरिनारायण दत्त , श्रीमती जसप्रीत बाजवा
- आदिवासी स्वर : वाचिक परंपरा व साहित्य : संपादक वी.एस.चटर्जी , जय" ांकर उपाध्याय
- आदिवासी भौर्य एवं विद्रोह : रमणिका गुप्ता

3T4(A) भाशा और संप्रेशण कौभाल

इकाई 1 भाशा और संप्रेशण

- संप्रेशण का अर्थ एवं स्वरूप
- संप्रेशण का भाशिक पक्ष

इकाई 2 संप्रेशण कला

- भाशायी दक्षता
- आंगिक भाशा (Body language)

इकाई 3 संप्रेशण के विविध पक्ष

- संप्रेशण का तकनीकी पक्ष
- संप्रेशण का सामाजिक परिप्रेक्ष्य

इकाई4संप्रेशण कौ" ाल

- भाशा, f" ाक्षा और रोजगार : संप्रेशण कला
- आव" यकता एवं महत्व

संदर्भ ग्रंथ

1. मानव संसाधन के रूप में भाशा की उपादेयता – डॉ. रामकि" ाोर भार्मा
2. व्यक्तित्व विकास में सहायक भाशिक व्यवहार एवं प्रबंधन जागरूकता – संपादन– डॉ. यज्ञप्रसाद तिवारी, डॉ. वीणा दाढे

3T4(B) हिंदी काव्यास्वादन

इकाई 1

सुमित्रानंदन पंत	–	बापू
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	–	जागो फिर एक बार

इकाई 2

रामधारी सिंह 'दिनकर' – हिमालय

हरिवं" ाराय बच्चन – लहरों का निमंत्रण

इकाई 3

केदारनाथ अग्रवाल – यह धरती है उस किसान की

सुभद्राकुमारी चौहान – झांसी की रानी

इकाई 4

भवानी प्रसाद मिश्र – गीत फरो" ा

नागार्जुन – प्रेत का बयान

3T4(C) हिंदी कहानी

इकाई 1

चंद्रधर भार्मागुलेरी– उसने कहा था

प्रेमचंद– पूस की रात

इकाई 2

जय" ांकर प्रसाद – आका" ादीप

अज्ञेय – रोज

इकाई 3

भीश्म साहनी – चीफ की दावत

अमरकांत– जिंदगी और जोंक

इकाई 4

राजेन्द्र यादव – मेहमान

मार्कण्डेय – सरहद के उस पार

आधार ग्रंथः

कहानी कुंज – मार्कण्डेय, लोकभारती प्रका" ान, अलाहाबाद

सहायक ग्रंथ :

1. कहानी नई कहानी – नामवर सिंह
2. हिंदी कहानी : पहचान और परख – इन्द्रनाथ मदान
3. कहानी के सौ वर्श – वेदप्रका" ा अमिताभ
4. नई कहानी की भूमिका – कमले" वर
5. समकालीन कहानी की पहचान – नरेन्द्र मोहन

3T4(D) हिंदी रचनात्मक लेखन

इकाई 1 औचित्य, क्षेत्र, विस्तार

इकाई 2 कविता–लेखन

इकाई 3 कथा–लेखन

इकाई 4 तार्किक लेखन

संदभ ग्रंथ

1. रचना के सरोकार – वि" वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रका" ान
2. भाशा युगबोध और कविता – रामविलास भार्मा, वाणी प्रका" ान
3. साहित्य का भाशिक चिंतन – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृश्ण प्रका" ान
4. समकालीन सृजन संदर्भ – खंड 2 – भारत भारद्वाज, वाणी प्रका" ान
5. साहित्य का उद्दे" य – प्रेमचंद, हंस प्रका" ान
6. उपन्यास का पुनर्जन्म – परमानंद श्रीवास्तव , वाणी प्रका" ान
7. आधुनिक हिंदी कविता में विचार – डॉ. बलदेव वं" ाी – वाणी प्रका" ान
8. हिंदी का गद्य पर्व – नामवर सिंह, राजकमल प्रका" ान
9. सृजन का अंतर्पाठ : उत्तर आधुनिक विम" ा – कृश्णदत्त पालीवाल, सामयिक प्रका" ान
10. साहित्य का श्रेय और प्रेय – जैनेंद्र कुमार – पूर्वोदय प्रका" ान
11. साहित्य विधाओं की प्रकृति – संपा. देवी" ांकर अवस्थी, राधाकृश्ण प्रका" ान
12. साहित्य का स्वभाव – नंदकि" ाोर आचार्य , वाग्देवी प्रका" ान
13. लेखक की साहित्यिकी – नंदकि" ाोर आचार्य, वाणी प्रका" ान
14. एक साहित्यिक की डायरी – गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ
15. युवा कवि के नाम – राइनेर मारिया रिल्के, ने" ानल पब्लि" ांग हाऊस
16. समीक्षा भाास्त्र – डॉ. द" ारथ ओझा

3T4(E) हिंदी मीडिया लेखन

इकाई 1 समाचार लेखन , संपादन

- समाचार लेखन कला
- संपादकीय लेखन

इकाई 2 पटकथा लेखन

- रेडियो : पटकथा लेखन
- टेलिविजन : पटकथा लेखन

इकाई 3 डॉक्यूमेंटरी और साक्षात्कार लेखन

- उद्दे" य एवं महत्व

इकाई 4 विज्ञापन लेखन

- विज्ञापन की भाशा
- विज्ञापन लेखन कला

सहायक ग्रंथ

1) हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक
2) मीडिया लेखन : सुमित मोहन
3) भारत में संचार और जनसंचार : डॉ. जे वी. विलानिलम , अनु. डॉ. भा" ाकांत भाुक्ल
4) समाचार संकलन और लेखन : डॉ. नंदकि" ाोर त्रिखा
5) कम्प्यूटर एक परिचय : संपा. संतोश चौबे
6) पटकथा लेखन : मनोहर" याम जो" ाी
7) हिंदी पत्रकारिता : कृश्णबिहारी मिश्र
8) प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना एवं प्रयोग : डॉ. माधव सोनटक्के
9) मास मीडिया और समाज : मनोहर भयाम जो" ाी, वाणी प्रका" ान
10) मीडिया और लोकतंत्र : सं. प्रो. रवीन्द्रनाथ मिश्र, वाणी प्रका" ान

सेमेस्टरIV

4T1 भाशाविज्ञान

इकाई 1

भाशा	:	परिभाशा , लक्षण , भाशिक संरचना , भाशिक प्रकार्य।
भाशा विज्ञान	:	स्वरूप एवं व्याप्ति , अध्ययन की दि" ाएँ – वर्णनात्मक , ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई 2

स्वन विज्ञान	:	वाग्वयव और उनके कार्य , स्वन की अवधारणा एवं वर्गीकरण , स्वन गुण , स्वनिक परिवर्तन , स्वनिम की अवधारणा , स्वनिम के भेद।

इकाई 3

रूप विज्ञान	:	रूपिम की अवधारणा , रूपिम के भेद , अर्थ तत्व एवं संबंध तत्व , रूप परिवर्तन की दि" ाएँ और कारण।
वाक्य विज्ञान	:	वाक्य की अवधारणा , वाक्य के तत्व , वाक्य के अंग , वाक्य के भेद , वाक्य परिवर्तन की दि" ाएँ।

इकाई 4

अर्थ विज्ञान	:	अवधारणा , भाब्द और अर्थ का संबंध , अर्थ परिवर्तन की दि" ाएँ और कारण
प्रोक्ति विज्ञान	:	अवधारणा और प्रकार।

सहायक ग्रंथ

1) भाशा विज्ञान	:	डॉ. भोलानाथ तिवारी
2) हिंदी भाशा का विकास	:	डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
3) हिंदी भाशा की संरचना	:	डॉ. भोलानाथ तिवारी
4) भाशा विज्ञान की भूमिका	:	डॉ. देवेन्द्रनाथ भार्मा
5) हिंदी भाशा का इतिहास	:	डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
6) भाशा भाास्त्र की रूपरेखा	:	डॉ. उदयनारायण तिवारी
7) हिंदी भाशा स्वरूप और विकास	:	डॉ. कैला" ाचंद्र भाटिया
8) भाशा विज्ञान	:	डॉ. रामकि" ाोर भार्मा
9) हिंदी भाशा संरचना के विविध आयाम	:	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
10) हिंदी भाशा	:	डॉ. हरदेव बाहरी

4T2 आधुनिक हिंदी कथासाहित्य

इकाई1

हिंदी कथा साहित्य : अर्थ, परिभाशा, तत्व
हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास
हिंदी कहानी : उद्भव और विकास

इकाई2

गोदान– प्रेमचंद

इकाई3

राग दरबारी – श्रीलाल भाुक्ल

इकाई4

कफन– प्रेमचंद
मलबे का मालिक – मोहन राके" ा
पिता– ज्ञानरंजन
अपराध– संजीव
साज नासाज – मनोज रूपडा

सहायक ग्रंथ

1) हिंदी उपन्यास का इतिहास – गोपालराय
2) हिंदी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा – रामदर" ा मिश्र
3) हिंदी उपन्यास के सौ वर्श – रामदर" ा मिश्र
4) उपन्यास स्वरूप और संवेदना – राजेन्द्र यादव
5) हिंदी उपन्यास स्थिति और गति – डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
6) हिंदी उपन्यास – ि" ावनारायण श्रीवास्तव
7) उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाशा – परमानंद श्रीवास्तव
8) हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ – भा" ाभूशण सिंघल
9) कहानी प्रवृत्ति एवं वि" लेशण – सुरेन्द्र उपाध्याय
10)समकालीन कहानी की पहचान – नरेन्द्र मोहन
11) कहानी नई कहानी – नामवर सिंह
12) हिंदी कहानी पहचान और परख – इंद्रनाथ मदान
13) हिंदी कहानी के सौ वर्श – वेद प्रका" ा अमिताभ
14) नई कहानी की भूमिका – कमले" वर
15) प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास भार्मा
16) हिंदी कहानी का इतिहास– भाग 1,2,3 – गोपाल राय

4T3(A)अनुसंधान प्रक्रिया और प्रविधि

इकाई 1

अनुसंधान : अर्थ , परिभाशा एवं महत्व।
रूपरेखा निर्माण के विविध पक्ष : प्रस्तावना , भाोध का औचित्य , कार्य विभाजन , उपकल्पना , संदर्भ – ग्रंथ सूची।

इकाई 2

अनुसंधान के तत्व।

अनुसंधान के सोपान।

इकाई 3

अनुसंधान के प्रकार

अनुसंधान एवं आलोचना में साम्य , वैशम्य।

इकाई 4

भाोधप्रबंध लेखन की प्रक्रिया

भाोधलेखन की समस्याएँ एवं चुनौतियाँ।

सहायक ग्रंथ

1) अनुसंधान प्रविधि और क्षेत्र : राजमल बोरा।

2) अनुसंधान का स्वरूप : डॉ. सावित्री सिन्हा

3) हिंदी अनुसंधान : उदयभानुसिंह

4) अनुसंधान के मूलतत्व : वि" वनाथप्रसाद

5) भाोध प्रविधि : विजय मोहन भार्मा

6) साहित्यिक अनुसंधान के आयाम : डॉ. रवीन्द्रकुमार जैन

7) भाोध प्रक्रिया एवं विवरणिका : डॉ. सरनामसिंह

8) अनुसंधान और आलोचना : डॉ. नगेन्द्र

9) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया : एस.एन. गणे" ान

4T3**(B)** जनसंचार माध्यम

इकाई 1

जनसंचार माध्यम : स्वरूप एवं प्रकृति।

जनसंचार के विविध माध्यम

इकाई 2

हिंदी पत्रकारिता उद्‌भव और विकास।

समाचार: अवधारणा, स्त्रोत और संपादन

मुद्रण कला एवं पृश्ठ सज्जा

इकाई 3

मीडिया लेखन

श्रव्य मीडिया लेखन : समाचार, फीचर, रिपोर्ताज, वार्ता , नाटक

दृ" य–श्रव्य मीडिया लेखन : समाचार, पटकथा, संवाद, विज्ञापन

इकाई 4

सूचना प्रौद्यागिकी : कंप्यूटर, इंटरनेट, मल्टीमीडिया, वेब पत्रकारिता
प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।

सहायक ग्रंथ

1) हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक
2) मीडिया लेखन : सुमित मोहन
3) भारत में संचार और जनसंचार : डॉ.जेवी.विलानिलम, अनुवादक डॉ. भा" ाकांत भुक्ल
4) समाचार संकलन और लेखन : डॉ. नंदकि" ाोर त्रिखा
5) कम्प्यूटर एक परिचय : संपादक , संतोश चौबे
6) पटकथा लेखन : मनोहर" याम जो" ाी
7) हिंदी पत्रकारिता : कृश्णबिहारी मिश्र
8) प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना एवं प्रयोग : डॉ. माधव सोनटक्के
9) प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम : डॉ. मनोज पाण्डेय
10) मीडिया हूँ मैं : जयप्रका" ा त्रिपाठी

4T3(C) अनुवाद अध्ययन

इकाई 1

अनुवाद : अर्थ , परिभाशा , क्षेत्र
अनुवाद की परंपरा।
अनुवाद के प्रकार।
अनुवाद प्रविधि , आव" यकता एवं महत्व।

इकाई 2

कार्यालयीन अनुवाद की प्रकृति, समस्याएँ एवं समाधान।
साहित्यिक अनुवाद की प्रकृति, समस्याएँ एवं समाधान।

इकाई 3

जनसंचार माध्यमों में अनुवाद।
वाणिज्यिक अनुवाद।
दुभाशिया प्रविधि।

इकाई 4

अनुवाद के उपकरण।
अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन।

सहायक गंथ

1) प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत एवं प्रयोग – डॉ. दंगल झाल्टे
2) प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना और प्रयोग – डॉ. माधव सोनटक्के
3) अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं अनुप्रयोग – डॉ. नगेन्द्र
4) अनुवाद विज्ञान – गार्गी गुप्त
5) अनुवाद विज्ञान सिद्धांत सिद्धी – अवधे" ा मोहनगुप्त
6) प्र" ाासन में राजभाशा हिंदी – डॉ. कैला" ाचंद्र भाटिया
7) अनुवाद – वि" वनाथ अय्यर
8) प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम – डॉ. मनोज पाण्डेय

4T3(D) साहित्य और सिनेमा

इकाई 1

- साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध
- सिनेमाई भाशा और पारम्परिक भाशा का अंतर्संबंध

इकाई 2

कहानी साहित्य पर बनी हुई फिल्मों का वि" लेशण

- कथानक
- विशयवस्तु
- कथोपकथन

कहानियों पर बनी फिल्में

भातरंज के खिलाड़ी (कहानी)	–	भातरंज के खिलाड़ी (फिल्म)	–	प्रेमचंद
तीसरी कसम (कहानी)	–	तीसरी कसम (फिल्म)	–	फणी" वरनाथ रेणु
यही सच है (कहानी)	–	रजनीगंधा (फिल्म)	–	मन्नू भंडारी

इकाई 3

उपन्यास साहित्य पर बनी हुई फिल्मों का वि" लेशण

- कथानक
- विशयवस्तु
- कथोपकथन

उपन्यासों पर बनी फिल्में

काली आँधी (उपन्यास)	–	आँधी (फिल्म)	–	कमले" वर
सारा आका" ा (उपन्यास)	–	सारा आका" ा (फिल्म)	–	राजेन्द्र यादव

इकाई 4

डाक्यूममेंटरी फिल्म
फिल्म पटकथा लेखन

सहायक ग्रंथ

1) सिनेमा के सौ बरस : सं. मृत्युंजय (ि" ाल्पायन)
2) सिनेमा का समाज" ाास्त्र : जबरीमल पारख
3) हिंदी सिनेमा का सच : भांभुनाथ

4) हिंदी साहित्य और सिनेमा : विवेक दुबे
5) सिनेमा–नया सिनेमा : ब्रजे" वर मदान
6) सिनेमा का जादुई सफर : प्रताप सिंह
7) सिनेमा की सोच : ब्रहमात्मज अजय
8) सिनेमाः समकालीन सिनेमा : ब्रहमात्मज अजय
9) सिनेमाई भाशा और हिंदी संवेदना का वि" लेशण : कि" ाोर वासवानी
10) सिनेमा और साहित्य : हरि" ाकुमार
11) फिल्म पत्रकारिता : विनोद तिवारी
12) सिनेमा समाज साहित्य : हूबनाथ

4T3(E) तुलनात्मक अध्ययन

इकाई 1

तुलनात्मक अध्ययन : अर्थ , परिभाशा एवं स्वरूप।
तुलनात्मक अध्ययन का क्षेत्र।
तुलनात्मक अध्ययन के मूल तत्व।
तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएँ।

इकाई2

कहानियाँ

अंधड़ (हिंदी कहानी) – ओमप्रका" ा वाल्मीकि
जेव्हा मी जात चोरली (मराठी कहानी) – बाबुराव बागुल

इकाई 3

उपन्यास

गोदान (हिंदी उपन्यास) – प्रेमचंद
गणदेवता (बंगला उपन्यास) – तारा" ांकर बंदोपाध्याय (बंगला से हिंदी में अनूदित)

इकाई 4

काव्य

मुक्तिबोध – हिंदी – भूल गलती
नारायण सुर्वे – मराठी – कार्लमार्क्स

सहायक ग्रंथ

1) तुलनात्मक साहित्य – इंद्रनाथ चौधुरी
2) तुलनात्मक साहित्य – डॉ. आनंद पाटील
3) तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. भ. ह. राजुरकर एवं राजमल बोरा
4) तुलनात्मक साहित्य – महावीर सिंह चौहान
5) तुलनात्मक साहित्य – एन.ई.वि" वनाथ अय्यर
6) तुलनात्मक साहित्य भाोध और समीक्षा – पी. आदे" वर राव
7) तुलनात्मक साहित्य – राजमल बोरा
8) तुलनात्मक साहित्य – डॉ. नगेन्द्र

4T3(F) स्थानीय साहित्य

इकाई1

नाटक – घासीराम कोतवाल – विजय तेंदुलकर

इकाई2

कविता – सलाम – मंगे" ा पडगाँवकर (अनु.वसंत देव)
आतंक– श्रीपाद जो" ाी

इकाई3

उपन्यास– बनगरवाडी – व्यंकटे" ा मांडगुलकर

(अनु. चंद्रकांत बांदीवडेकर)

इकाई4

कहानी – भाांति – वि.स. खांडेकर
प्रेम या प" ाुवृत्ति – विभावरी ि" ारूलकर
अब मैं पीछे हटूंगी नहीं – रामनाथ चव्हाण
(अनु.डॉ माधव सोनटक्के)

सहायक ग्रंथ

1. बनगरवाड़ी – व्यंकटे" ा मांडगुलकर
2. प्रतिनिधि कहानी : मराठी – माधव सोनटक्के
3. घासीराम कोतवाल – विजय तेंदुलकर
4. मराठी साहित्य परिदृ" य – चंद्रकांत बांदिवड़ेकर

4T4(A) हिंदी गज़ल

दुश्यंतकुमार की ग़ज़लें (साये में धूप)

इकाई 1 : 1, 3, 4, 5, 6
इकाई 2 : 7, 8, 9, 10, 11
इकाई 3 : 15, 16, 18, 19, 24

इकाई 4 : 29, 30, 39, 50, 51

आधार ग्रंथ

साये में धूप : दुश्यंत कुमार, राधाकृश्ण प्रका" ान, नई दिल्ली

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी ग़ज़ल के विविध आयाम : सरदार मुजावर, भूमिका प्रका" ान, नई दिल्ली
2. हिंदी ग़ज़ल : डॉ. रोहिता" व अस्थाना
3. दुश्यंत और उनका साहित्य : डॉ. हरिचरण भार्मा

4T4(B) यात्रा साहित्य

इकाई 1

किन्नर दे" ा की यात्रा : राहुल सांस्कृत्यायन

इकाई 2

एक बूँद सहसा उछली : अज्ञेय

इकाई 3

चीड़ों पर चांदनी : निर्मल वर्मा

इकाई 4

आखिरी चट्टान तक – मोहन राके" ा

आधार ग्रंथ

1. किन्नर दे" ा की यात्रा – राहुल सांकृत्यायन
2. एक बूँद सहसा उछली – अज्ञेय
3. चीड़ों पर चाँदनी – निर्मल वर्मा
4. आखिरी चट्टान तक – मोहन राके" ा

4T4(C) डायरी और पत्र साहित्य

1. एक विस्थापित की डायरी – परमानंद श्रीवास्तव
2. अकेल मेल – रमे" ाचंद्र भााह (डायरी)
3. मित्र संवाद – रामविलास भार्मा/अ" ोक त्रिपाठी (पत्र)
4. संवाद अनायास – गोविंद मिश्र

आधाग्रंथ

1. एक विस्थापित की डायरी – परमानंद श्रीवास्तव
2. अकेल मेल – रमे" ाचंद्र भााह
3. मित्र संवाद – रामविलास भार्मा

4. संवाद अनायास – गोविंद मिश्र

4T4(D) भारतीय चिंतक

इकाई 1

महात्मा गाँधी

इकाई 2

डॉ. बाबासाहब आंबेडकर

इकाई 3

डॉ. राममनोहर लोहिया

इकाई 4

डॉ सर्वपल्ली राधाकृश्णन
डॉ. ए.पी.जी अब्दुल कलाम

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी स्वराज – महात्मा गाँधी
2. बुद्ध या कार्लमार्क्स – डॉ. आंबेडकर

4T4(E) पर्यावरण अध्ययन

इकाई 1

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी
(Environment and Ecology)

(i) अर्थ एवं स्वरूप
(ii) पारिस्थितिकीय संकट : कारण एवं समाधान

इकाई 2

पर्यावरण एवं साहित्य
(Environment and Literature)
(i) भारतीय परंपरा एवं पर्यावरण
(ii) हिंदी साहित्य ण्वं पारिस्थितिकीय विम" र्
(iii) आधुनिक साहित्य और पारिस्थितिकीय चेतना

इकाई 3

पर्यावरण एवं मानव जीवन
(Environment and Human life)
(i) मानव जीवन एवं पर्यावरण : अंतःसंबंध एवं परस्पर संतुलन

(ii) जनजागरूकता एवं संरक्षण की आव" यकता

इकाई 4
पर्यावरण एवं भारतीय संस्कृति
(Environment and Indian culture)
(i) भारतीय चिंतक और पर्यावरण
(ii) गौतम बुद्ध एवं गाँधीजी की पर्यावरण संबंधी स्थापनाएँ

प्र"न पत्र पॅटर्न (Question Paper Pattern : Total marks = 80)

पेपर सेटर्स के लिए महत्वपूर्ण निर्दे"ा

1. प्र"न कमांक 1 के अंतर्गत इकाई 1 में से दो दीर्घोतरी प्र"न पूछे जाएंगे जिसमें से किसी एक को हल करना अनिवार्य होगा । **1X16 = 16**

2. प्र"न कमांक 2 के अंतर्गत इकाई 2 में से दो दीर्घोतरी प्र"न पूछे जाएंगे जिसमें से किसी एक को हल करना अनिवार्य होगा । **1X16 = 16**

3. प्र"न कमांक 3 के अंतर्गत इकाई 3 में से दो दीर्घोतरी प्र"न पूछे जाएंगे जिसमें से किसी एक को हल करना अनिवार्य होगा । **1X16 = 16**

4. प्र"न कमांक 4 के अंतर्गत इकाई 4 में से दो दीर्घोतरी प्र"न पूछे जाएंगे जिसमें से किसी एक को हल करना अनिवार्य होगा। **1X16 = 16**

5. इसके अंतर्गत चार लघूत्तरीय (प्रत्येक इकाई से एक)प्र"न पूछे जाएंगे जिनके उत्तर आठसे दस पंक्तियों में देना होगा। **4X4= 16**

आंतरिक मूल्यांकन

1. आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत **20** अंक होंगे) ,उपस्थिति ,गृह-कार्य ,मौ खकी एवं समग्र व्यवहार के आधार पर (
2. परीक्षार्थी को ल खत **(THEORY)** एवं आतंरिक मूल्याङ्कन दोनों में एकत्रित **(COMBINED) 40 %** अंक प्राप्त करना अनिवार्य है.